LOK SABHA

Monday, March 27, 1978/Chaitra 6, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair.*]

WELCOME TO THE PARLIAMENTARY DELEGATION FROM THE REPUBLIC OF KOREA

MR. SPEAKER: Hon. Members, at the outset, I have to make an announcement.

On my own behalf and on behalf of the Hon'ble Members of the House, I have great pleasure in welcoming H.E. Mr. Il Kwon Chung, Speaker of the National Assembly of the Republic of Korea and the Hon'ble Members of the Parliamentary Delegation from Republic of Korea who are on a visit to India as our honoured guests. The other Hon'ble Members of the delegation are:

(1) Mr. Sam Chul Park, Member of Parliament;

(2) Mr. Sang Cho Shin, Member of Parliament;

(3) Mr. Sang Sin Lee, Member of Parliament;

(4) Mr. Young Pyo Lee, Member of Parliament.

The delegation arrived here yesterday afternoon. They are now seated in the Special Box. Through them we convey our greetings and best wishes to His Excellency the President, His Excellency the Prime Minister, esteemed National Assembly, Government and the people of the Republic of Korea.

OBITUARY REFERENCE

MR. SPEAKER: I have to inform the House of the sad demise of Shri Shantilal Girdharilal Parikh, who passed away at Ahmedabad on the 16th March 1978 at the age of 73.

Shri Shantilal Girdharilal Parikh was a Member of First Lok Sabha during the years 1952—57 representing Mehsana East constituency of the erstwhile Bombay State. Earlier he had been a Member of Baroda State Legislative Council during the years 1946—49 and of Bombay Legislative Council during 1949—52. An industrialist and social worker, he was a very amiable person.

We deeply mourn the loss of this friend and I am sure, the House will join me in conveying our condolences to the bereaved family.

The House may stand in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the deceased.

The Members then stood in silence for a short while.

ORAL AINSWERS TO QUESTIONS

पटना को बचाने के लिए गंगा और सोन नदियों पर तटबंध

*449. श्री रामदेव सिंह : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पटना नगर को बाढ़ से बचाने के विचार से सरकार ने गंगा तथा सोन नदियों के बायें किनारे पर मजबूत तटबंध बनाए हैं ;

(ख) क्या गंगा नदी के उत्तरी किनारे पर तटबंध न होने के कारण सारन तथा वैशाली जिलों (बिहार) के सारे क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त होने की आशंका बन गई है ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) और (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ने इन जिलों को बाढ़ से बचाने के लिए गंगा नदी के उत्तरी किनारे पर तटबंध बनाने की कोई योजना बनाई है ; और

(घ) यदि हां, तो वहां कार्य कब तक प्रारम्भ किया जाना है ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

After the deluge of Patna city in August 1975, works to protect Patna were carried out comprising *inter alia* strengthening of the then existing south bank Ganga embankment, construction of new embankments on the right bank of Sone from Digha to Saidabad and on the left bank of river Punpun.

The area on the north bank of Ganga in Saran and Waishali districts of Bihar have been liable to flooding even earlier whenever the Ganga flood discharge exceeded its bankfull capacity. The Bihar Government have prepared three schemes for construction of embankments on the north bank of Ganga from Dumari to Chapra, from Chapra to Sonepur and from Hajipur to Bazipur at a total estimated cost of Rs. 20 crores. These schemes were technically examined by the Centre and the State was required to modify the reports and estimates. These are awaited.

श्री रामदेव सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि गंगा के उत्तर की तरफ पटना के सामने जहां सोनपुर का मेला लगता है और जहां सारन और वैशाली जिले के महत्वपूर्ण गांव हैं उन को बचाने के लिए आप ने कोई योजना बनायी है ? यदि बनायी है तो कब बनायी ?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Three schemes by the Government of Bihar were received in the Ganga Flood Control Commission during November-December, 1975. They were:

1. Dumari-Chaapra Embankment Scheme.

2. Chapra-Sonepur Embankment Scheme.

3. Hajipur-Wazirpur Embankment Scheme.

ये तीन स्कीम है जो 1975 के नवम्बर दिसम्बर में बनी :

श्री रामदेव सिंह : यह सन् 76 की स्कीम है तो इस स्कीम में अभी तक निर्माण का काम शुरू हुआ या नहीं ?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: These Schemes were serutinised by the Ganga Flood Control Commission and the comments were sent to the State Government in July-November, 1976, for modifying the schemes. These were subsequently further discussed in the Sixth Meeting held on 27th January 1977, and thereafter, in the Eight Meeting on 30th December, 1977, by the Ganga Flood Control Commission. The modified schemes from the State Government are now awaited.

चौधरी बलवीर सिंह : मैं मंत्री महोदय से आप के जरिए यह जानना चाहूंगा कि क्या जिन इलाकों में फ्लड्स आते हैं उन इलाकों के मेम्बरान पार्लियामेंट और उन

के साथ आफिशियल्स को मिला कर एक हाई पावर कमेटी बनाएंगे जिस से कि उन इलाकों में फ्लड्स को रोकने के लिए कोई मुस्तकिल इंतजाम किया जा सके ? अरबों रुपये का नुकसान हर साल हिन्दुस्तान में इन फ्लड्स से होता है । जिन इलाकों में ये फ्लड्स आते हैं उन के आदमी और उन के नुमाइन्दे ज्यादा बेहतर तरीके से इस काम में सरकार की मदद कर सकते हैं । तो क्या सरकार ऐसी कमेटियां बनाएगी जिस से कि उन इलाकों के लोगों के नुमाइन्दे और सरकारी आफिशियल्स मिल कर इस को रोकने के लिए अपने सुझाव दे सकें ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : कमेटी बनाने का तो अभी कोई विचार नहीं है लेकिन जो फ्लड कंट्रोल कमीशन बैठाया गया है उन्होंने कुछ क्वेश्चनायर तैयार किए हैं जो स्टेट्स को भेजे गए हैं । पिछली दफा यह सवाल सदन मे आया तो यह कहा गया कि क्वेश्चनायर ही क्यों नही भेजे गए । तो वह क्वेश्चनायर अब मेम्बर्स आफ पार्लियामेंट को भी भेज दिए गए हैं जिस में सब अपने अपने सुझाव दे सकते हैं कि कैसे यह काम होना चाहिए । अभी तक उन की तरफ से कोई सुझाव आए नही हैं ।

श्री लक्ष्मी नारायण नायक : पटना शहर ही नही, अनेक ऐसे शहर हैं जहां पर कि कई नदियों की बाढ़ से उन को बड़ा परेशान होना पड़ता है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं, देश में ऐसे बहुत से पुराने तालाब हैं जिन में सिल्ट जमा हो गई है, क्या वह सिल्ट बुलडोजर से निकालने का इंतजाम करेंगे ताकि तालाब गहरे हो जायें और उन में ज्यादा पानी रह सके ? मैंने मंत्री जी से इस की चर्चा की थी और उन्होंने यह माना था कि यह सुझाव ठीक है । मैं जानना चाहता हूं क्या इस सुझाव को कार्यान्वित किया जायेगा ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : यह सवाल इस से निकलता नहीं है, लेकिन जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि तालाबों को कुछ गहरा किया जाये, उन को गहरा करने की बात सोची जा सकती है ।

श्री राम विलास पासवान : यह फ्लड का जो मामला है यह इतना महत्वपूर्ण मामला है कि जिन लोगो को फ्लड का तजुर्बा है, मै समझता हू, वे ही इसको समझ पाएंगे । मैं माननीय मंत्री जी से स्पष्ट रूप से जानना चाहता हू कि फ्लड कन्ट्रोल का जो मामला है, 1976 में आपने रिपोर्ट मांगी लेकिन अभी तक उस रिपोर्ट पर रिव्यू ही चल रहा है, आपने स्टेट्स को क्वैश्चनेयर भेजे हैं और उधर से उनकी मांग रहती है लेकिन फ्लड फिर आने वाले हैं तो क्या मंत्री महोदय सदन को निश्चित आश्वासन देंगे कि कब तक बिहार और उत्तरी बिहार ही नहीं दूसरे प्रान्त के लोग भी सरकार से आश्वस्त हो जायें कि अब हम बाढ़ की चपेट में नहीं पड़ेंगे ? इसके अलावा जब तक आप बाढ़ सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं कर लेते तब तक जो बाढ पीड़ित लोग हैं उनको केन्द्रीय सहायता के रूप में आप क्या देने जा रहे हैं ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : जहां तक बाढ़ का ताल्लुक है, मेरा खयाल है इस सदन से आनरेबिल मेम्बर वाकिफ हैं कि किसी न किसी इलाके में बाढ जरूर आती है लेकिन जैसा माननीय सदस्य कह रहे हैं कि कौन सी तारीख तक बाढ़ का काम मुकम्मल हो जायेगा, ऐसा कहा नही जा सकता। यही नही है कि स्कीम्स देखी जा रही हैं, एग्जामिन की जा रही हैं बल्कि साथ साथ कोशिश है कि काम चलता रहे, काम चलता रहता है और नेशनल पालिसी फार फ्लड कन्ट्रोल को भी बनाने की कोशिश की जा रही है।

महानगरों में केन्द्रीय सरकार के क्वार्टर

*450. श्री लालजी भाई : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मन्त्री निम्नलिखित की जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे :

(क) दिल्ली तथा देश के अन्य महानगरों में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए टाइपवार, कितने सरकारी क्वार्टर निर्माणाधीन हैं; और

(ख) अब तक कितने क्वार्टर पूरी तरह बन चुके हैं और उन्हें कब तक आवंटित किये जाने की आशा है ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मन्त्री (श्री सिकन्दर बख्त) (क) और (ख) : सामान्य पूल के क्वार्टरो के सम्बन्ध मे अपेक्षित सूचना का एक विवरण सलग्न है। 1977–78 के दौरान बनाए गये 921 क्वार्टरो में से 888 क्वार्टरो का आवटन कर दिया है। शेष क्वार्टरो का शीघ्र ही आवटन कर दिया जायेगा।